



नीतिआयोग की 9वीं शासी परिषद की बैठक

प्रलिस के लयि:

नीतिआयोग, वकिसति भारत @2047, शून्य गरीबी, आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम, पराकृतक कृषि, साइबर सुरक्षा, सहकारी संघवाद, SDG इंडिया इंडेक्स, अटल इनोवेशन मशिन ।

मेन्स के लयि:

सहकारी संघवाद में नीतिआयोग की भूमिका, संवधानेतर नकिय

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यो?

हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीतिआयोग की 9वीं शासी परिषद की बैठक में 20 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों के नेताओं को वकिसति भारत @2047" थीम पर चर्चा करने के लिये बुलाया गया, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक एक वकिसति राष्ट्र के रूप में भारत के विकास हेतु एक रूपरेखा स्थापित करना है ।

बैठक के मुख्य परिणाम क्या हैं?

- 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का वज़िन/दृष्टिकोण: भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के GDP लक्ष्य के साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है । यह महत्वाकांक्षा देश के सतत आर्थिक विकास, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा पर ध्यान केंद्रित करने को उजागर करती है ।
- वर्ष 2047 हेतु राज्य का दृष्टिकोण: बैठक में प्रत्येक राज्य और ज़िले को वकिसति भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित करते हुए वर्ष 2047 के लिये अपना दृष्टिकोण तैयार करने हेतु प्रोत्साहित किया गया ।
 - राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्यों के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए प्रधानमंत्री ने दोहराया वकिसति भारत के लिये वकिसति राज्य महत्त्वपूर्ण हैं ।
- शून्य गरीबी लक्ष्य: बैठक से एक महत्त्वपूर्ण नषिकर्ष यह निकला कि वयक्तगत स्तर पर गरीबी उन्मूलन पर ज़ोर दिया गया । 'शून्य गरीबी' वाले गाँवों की अवधारणा पर चर्चा की गई जिसका उद्देश्य ज़मीनी स्तर से समग्र विकास करना है ।
- बुनियादी ढाँचा और नविश: प्रधानमंत्री ने नविश आकर्षित करने के लिये बुनियादी ढाँचे, कानून और व्यवस्था तथा सुशासन के महत्त्व पर ज़ोर दिया ।
 - राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देने वाले मापदंडों के माध्यम से नगिरानी करते हुए, नविशक-अनुकूल वातावरण बनाने के लिये राज्यों को प्रोत्साहित करने हेतु एक 'नविश-अनुकूल चार्टर' प्रस्तावित किया गया ।
- शिक्षा और कौशल विकास: युवाओं को रोज़गार के लिये तैयार करने हेतु उनके कौशल पर ज़ोर दिया गया, जिससे वैश्विक कुशल संसाधन केंद्र के रूप में भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाया जा सके ।
- कृषि उत्पादकता और पराकृतक कृषि: उत्पादकता बढ़ाने, कृषि में विविधता लाने तथा पराकृतक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई, ताकि भूदा उर्वरता में सुधार हो, लागत कम हो और वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच बनाई जा सके ।
- जीवन की सुगमता/ईज़ ऑफ लविगि: मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की सफ़िरशों पर विचार किया गया, जिसमें पेयजल, वदियुत, स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा और भूमि/संपत्ति प्रबंधन जैसे 5 प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया ।
 - प्रधानमंत्री ने राज्यों को भविष्य में बढ़ती जनसंख्या की समस्या से निपटने हेतु जनसांख्यिकी प्रबंधन योजनाएँ शुरू करने के लिये प्रोत्साहित किया ।
 - प्रधानमंत्री ने राज्यों से सभी स्तरों पर सरकारी अधिकारियों की क्षमता निर्माण का कार्य करने को कहा तथा इसके लिये उन्हें क्षमता निर्माण आयोग के साथ सहयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया ।
 - प्रधानमंत्री ने जल संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिये राज्य स्तर पर नदी गर्डों के निर्माण को प्रोत्साहित किया ।
- शासन में साइबर सुरक्षा और AI: शासन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण, साइबर सुरक्षा चुनौतियों का समाधान और कुशल शासन हेतु AI का लाभ उठाने को भविष्य की तत्परता के लिये महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया ।

नोट:

- 'जीवन की सुगमता' की व्यापक थीम के तहत, मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान नमिनलखिति पाँच प्रमुख वषियों पर अनुशासार्ँ की गईः
 - पेयजल: पहुँच, मात्रा और गुणवत्ता
 - वदियुत: गुणवत्ता, दकषता और वशिवसनीयता
 - सवासथय: सुगम्यता, सामरथ्य और देखभाल की गुणवत्ता
 - सकूली शकषा: पहुँच और गुणवत्ता
 - भूमा और संपत्ता: सुगम्यता, डजिटिलीकरण, पंजीकरण और म्यूटेशन

नीतआयोग की शासी परषद क्या है?

- परचियः
 - शासी परषद एक प्रमुख नकिया है जसका कार्य वकिस को आकार देने में राज्यों की सक्रयि भागीदारी के साथ राष्ट्रीय प्राथमकितार्ँ और रणनीतयों का साझा दृष्टकोग वकिसति करना है ।
 - सहकारी संघवाद के उद्देश्यों को मूरत रूप देने वाली शासी परषद, राष्ट्रीय वकिस एजेंडे के कार्यान्वयन में तेज़ी लाने के लयि अंतर-कषेत्रीय, अंतर-वभागीय और संघीय मुद्दों पर चर्चा करने हेतु एक मंच प्रस्तुत करती है ।
- सदस्यः
 - भारत के प्रधानमंत्री (अध्यकष)
 - मुख्यमंत्री (वधानसभा वाले राज्य और केंद्रशासति प्रदेश)
 - अन्य केंद्रशासति प्रदेशों के उपराज्यपाल
 - पदेन सदस्य
 - नीतआयोग के उपाध्यकष
 - नीतआयोग के पूरणकालक सदस्य
 - वशिष आमंत्रति सदस्य
- कार्यः
 - शासी परषद सचवालय (GCS) शासी परषद की बैठकों का समन्वय करता है ।
 - यह नीतआयोग के सभी कार्यकषेत्रों, प्रभागों और इकाइयों की गतवधियों का समन्वय भी करता है ।
 - GCS संसद में परचालन के लयि नीतआयोग की वार्षक रपौरट से संबंधति मामलों के समन्वय हेतु नोडल प्रभाग के रूप में कार्य करता है ।
 - यह प्रभाग संसदीय प्रश्नों, स्थायी समति के मामलों, RTI प्रश्नों, GCS से संबंधति केंद्रीकृत लोक शकियत नवारण और नगिरानी प्रणाली (Centralised Public Grievance Redressal and Monitoring System- CPGRAMS) शकियतों को भी संभालता है ।

नीतआयोग क्या है?

- परचियः
 - योजना आयोग को 1 जनवरी, 2015 को एक नए संस्थान नीतआयोग द्वारा प्रतस्थापति कया गया था, जसमें 'सहकारी संघवाद' की भावना को प्रतध्वनति करते हुए 'अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार' की परकिल्पना के लयि 'बॉटम-अप' दृष्टकोग पर ज़ोर दया गया था ।
 - इसमें दो हब हैंः
 - टीम इंडया हब- यह राज्यों और केंद्र के बीच इंटरफेस का कार्य करता है ।
 - ज्ञान और नवोन्मेष हब- यह नीतआयोग के थकि-टैक के रूप में कार्य करता है ।
- पहलः
 - SDG इंडया इंडेक्स
 - समग्र जल प्रबंधन सूचकांक
 - अटल नवाचार मशिन
 - SATH प्रोजेक्ट
 - आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम
 - सकूल शकषा गुणवत्ता सूचकांक
 - ज़िला अस्पताल सूचकांक
 - सवासथय सूचकांक
 - कृष वषिणन और कसिन हतिषी सुधार सूचकांक
 - भारत नवाचार सूचकांक
 - वुमन ट्रांसफॉर्मगि इंडया अवार्ड्स
 - सुशासन सूचकांक

दृष्टि मैनस प्रश्न:

प्रश्न. भारत में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने में नीतिआयोग की भूमिका पर चर्चा कीजिये। इसने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर शासन की गुणवत्ता बढ़ाने में किस प्रकार योगदान दिया है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. अटल नवप्रवर्तन (इनोवेशन) मशिन किसके अधीन स्थापति कयिा गया है? (2019)

- (a) वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी वभिाग
- (b) श्रम और रोजगार मंत्रालय
- (c) नीतिआयोग
- (d) कौशल वकिस एवं उद्यमति मंत्रालय

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत सरकार ने नीति(NITI) आयोग की स्थापना नमिनलखिति में से किसका स्थान लेने के लयिे की है? (2015)

- (a) राष्ट्रिय मानवाधकार आयोग
- (b) वत्ति आयोग
- (c) वधिआयोग
- (d) योजना आयोग

उत्तर: (d)

??????????:

प्रश्न. भारत में 'महत्त्वाकांक्षी ज़िलों के कायाकल्प' के लयिे मूल रणनीतियों का उल्लेख कीजयिे और इसकी सफलता के लयिे, अभसिरण, सहयोग व प्रतसिपर्द्धा की प्रकृति को स्पष्ट कीजयिे। (2018)